पंचायती राज विभाग द्वारा सचालित योजनाओं के सम्बन्ध में अवगत कराने हेतु चाय पर चर्चा

विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केन्द्र के अन्तर्गत ग्रामीण महिलाओं के लिए विभिन्न गतिविधियों के आयोजन की श्रृंखला के क्रम मे विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा माह अगस्त दिनांक 26 को ग्राम शहजादपुर की लगभग दस महिलाओं को पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के संबंध में आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम "सशक्त पंचायत–सशक्त प्रदेश–पंचायतों में बढ़ा महिलाओं का प्रवेश–चाय पे चर्चा" में प्रतिभागिता करवाई गई।

इन प्रतिभागियों को "पंचायती राज संस्थाओं के विभिन्न स्त्रोतों से उपलब्ध होने वाली धनराशी के उपभोग" के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही इस धनराशि को प्रधानों द्वारा गॉव में सामुदायिक शौचालय के निर्माण हेतु, सीवर प्रणाली के विकास एवं रखरखाव हेतु (सीवेज ट्रीटमेंट की व्यवस्था एंव मैनेजमेंट), सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, पेयजल उपलब्ध करवाना, वर्षा जल संचयन, ट्रीटेड जल का रीसाइकिल तथा रीयूज, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट इत्यादि में उचित उपयोग कैसे किया जाए, के बारे में उपयोगी जानकारी दी गई।

उपरोक्त कार्यक्रम विश्वविद्यालय के किसान भवन में जिला अधिकारी, जिला विकास अधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मथुरा जनपद के 504 ग्रामों से लगभग 204 नवनिर्वाचित महिला प्रधानों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केन्द्र के नोडल अधिकारी एवं समन्वयक डा0 अर्चना पाठक के साथ डा0 वर्षा गुप्ता, डा0 बरखा शर्मा, डा0 रश्मि एवं श्रीमती शिवांगी ने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया तथा गॉव में होने वाले विकास कार्यो में किस प्रकार उनकी सहभागिता हो सकती है, पर चर्चा की।

ग्रामीण महिलाओं ने इस कार्यक्रम में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया तथा विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा महिला सशक्तीकरण हेतु किए जा रहे प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया।

Shot on OnePlus
Powered by Triple Camera
8/26/21
1:00 PM

पंचायती राज
सशक्त पंचायत – सशक्त प्रदेश
पंचायतों में बढ़ा महिलाओं का प्रवेश
पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के सम्बन्ध में अवगत कराने हेतु
नव निर्वाचित मा. महिला प्रधानगणों के साथ
"चाय पर चर्चा"
स्थान – किसान भवन, वैटेनरी कॉलेज, मथुरा
(किरन चौधरी)
(गिरिन गौड़)
(नवनीत सिंह चहल)
सौ. – जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमैंट कमैटी, जनपद – मथुरा